

नारी को सम्मान मिले, ऐसा वातावरण बनायें

— राज्यपाल

जयपुर, 14 अप्रैल। राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि नारी के सम्मान के बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता, इसलिए आज ऐसा वातावरण बनाये जाने की जरूरत है, जहां नारी को पूरा सम्मान मिल सके। समता, स्वतंत्रता और बन्धुत्व की भावनाओं के साथ हम सब मिलकर ऐसा प्रयास करें कि राजस्थान दिन-प्रति दिन आगे बढ़ता रहे।

राज्यपाल श्री सिंह शनिवार को यहां बिड़ला सभागार में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 127वीं जयन्ती पर आयोजित राज्यस्तरीय समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री सिंह व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने बाबा साहेब के चित्र के समीप दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। राज्यपाल ने बी.आर. अम्बेडकर फाउण्डेशन, मूण्डला में बनने वाले बालक और बालिका छात्रावासों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री श्रीमती राजे ने मूण्डला में डिजिटल लाइब्रेरी व सभा भवन का लोकार्पण और अम्बेडकर भवन का शिलान्यास किया।

राज्यपाल ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के विचार सागर जैसे गहरे हैं। युग दृष्टा, महामानव बाबा साहेब ने देश को ऐसा संविधान दिया, जिसके तहत छोटे से छोटा व्यक्ति भी बड़े पद पर पहुँच सकता है। राज्यपाल ने युवाओं का आवाहन किया कि वे महापुरुषों की जीवनी को अवश्य पढ़ें। महापुरुषों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। डॉ. अम्बेडकर ने सामाजिक समरसता के लिए समता, स्वतन्त्रता व बन्धुत्व की जरूरत बताई। श्री सिंह का मानना था कि बाबा साहेब के दिये गये इन तत्वों से लोकतंत्र को मजबूती मिलती है।

राज्यपाल ने डॉ. अम्बेडकर के बाल्यकाल की अनेक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अपमानजनक जीवन जीने के बाद भी बाबा साहेब के मन में कोई कटुता नहीं थी। उनका हृदय विशाल था। उन्होंने समाज की विषमताओं को झेला और सहनशीलता का अभूतपूर्व परिचय दिया। समाज के प्रति सहनशील बनकर हम बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं।
